दैनिक भास्कर
आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अख़बार
रायपुर, 11 फरवरी, 2018
फाल्गुन, कृष्ण पक्ष-11, 2074

रविवि में एमएससी मैथ्स के पहले पेपर में 90% और दूसरे में 30% प्रश्न आउट ऑफ कोर्स, एमए अंग्रेजी के प्रश्नपत्र में भी गड़बड़ी, गुपचुप रद्द कर दी परीक्षा

रविवि में आयोजित की गई थी परीक्षा, दूसरे पेपर में बोनस अंक देने का दे रहे आश्वासन

रविशंकर यूनिवर्सिटी के एमएससी और एमए की परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी उजागर हुई है। तीसरे सेमेस्टर के प्रश्न पत्र में 80 प्रतिशत सवाल आउट ऑफ सिलेबस पूछे। इसके अलावा एक और पेपर में 30 फीसदी प्रश्न बाहर से पूछे गए। वहीं एमए अंग्रेजी में भी सिलेबस से बाहर सवाल पूछे जाने के बाद पेपर निरस्त करने पड़े। इसलिए विवि ने पेपर गुपचुप रद्द कर दिए। मामला उजागर होने के बाद जांच कमेटी बनाई गई है।

DB STAR EXCLUSIVE

कृष्णा तिवारी • रायपुर

डीबी स्टार की टीम को शिकायत मिली कि एमएससी के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। टीम की पड़ताल में खुलासा हुआ है कि जनवरी में एमएससी के मैथमेटिक्स के ऑप्शनल रिसर्च की परीक्षा हुई। जिसमें 90 प्रतिशत सवाल स्टूडेंट्स को बाहरी दे दिए गए। यानि सिलेबस में जो सवाल नहीं थे उसे तीसरे सेमेस्टर के परीक्षा में साल्व करने के लिए दे दिया गया। इसके अलावा इंटेगरेशन थ्योरी एंड फंक्शनल एनॉलिसिस की परीक्षा में भी गड़बड़ी हुई है। साथ ही अंग्रेजी के एग्जाम में भी गड़बड़ी हुई है। जिसकी वजह से अंग्रेजी और मैथमेटिक्स के पेपर गुपचुप तरीके से रद्द कर दिए गए। इसके अलावा 30 अंक के इंटेगरेशन थ्योरी एंड फंक्शनल एनॉलिसिस विषय में भी बाहर से सवाल सेट कर दिए गए थे। इतना ही नहीं, एमए अंग्रेजी के पेपर भी रदद कर दिए गए है। शेष पेज » 2

जानिए, एमएससी और एमए के पेपर में कैसे हुई गलतियां

मैथमेटिक्स ऑप्शनल रिसर्च

जनवरी में मैथमेटिक्स की परीक्षा हुई। जिसमें 40 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी। इस दौरान जिस सिलेबस से स्टूडेंट्स को कोर्स की पढ़ाई कराई गई। उसमें से 90 प्रतिशत सवाल आउट ऑफ सिलेबस से दे दिए गए।

इंट्रोगेरेशन थ्योरी एंड फंक्शनल एनालिसिस

इस विषय का पेपर दिसंबर 2017 में हुआ था। इसमें भी 40 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी। जिस सिलेबस को पढ़ाया गया उसमें से 30 अंक के सवाल बाहर से दे दिए गए। जिसकी वजह से स्टूडेंट्स को 50 अंक का ही पेपर साल्व करना पड़ा।

अंग्रेजी

जनवरी में अंग्रेजी की परीक्षा आयोजित की गई थी। यह पेपर भी 80 अंक के थे। इसमें भी 100 प्रतिशत पेपर आउट ऑफ सिलेबस आए थे। यानि पेपर सेट करने वालों ने पूरे पेपर को सिलबेस से बाहर सेट कर दिया।

जांच करवाकर करेंगे कार्रवाई

पेपर सेट करने में कौन-कौन जिम्मेदार है। इसके लिए जांच कमेटी बनाई गई है। रिपोर्ट मिलते ही गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कैसे गलती हो गई इसकी जानकारी नहीं है पता करा रहे हैं। •

संदीप वानखड़े, रजिस्ट्रार, रविवि

दोबारा परीक्षा क्यों करवा रहे हैं मुझे इस बारे में पता नहीं

मैथ्स का पेपर निरस्त होने संबंधी हम कुछ नहीं कहेंगे। दोबारा क्यों कराया जा रहा है। इस बारे में चेयरमैन जवाब देंगे। •

एचके पाठक, एसओएस, एचओडी, रविवि